RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
20
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत - तालिबान / India-Taliban

संदर्भ:

भारत-तालिबान के साथ अपनी सहभागिता बढ़ा रहा है, और रिपोर्ट्स के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अफगानिस्तान शासन को नई दिल्ली में अपने दूतावास के लिए नए राजदूत की नियुक्ति की अनुमति दे सकते हैं।

भारत की तालिबान के साथ बढ़ती भागीदारी के मुख्य कारण

1. **अफगानिस्तान में रणनीतिक प्रभाव:**
   - भारत अफगानिस्तान में अपनी दीर्घकालिक भू-राजनीतिक हितों की रक्षा करने के लिए अपनी उपस्थिति बनाए रखना चाहता है।
   - भारत ने जून 2022 में काबुल में अपना दूतावास फिर से खोला, जिससे कूटनीतिक संबंध बने रहें।
2. **क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद-निरोध सुनिश्चित करना:**
   - एक स्थिर अफगानिस्तान यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि यह भारत विरोधी आतंकवादी समूहों का केंद्र न बने।
   - भारत, ISIS-K और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) जैसे समूहों पर रोक लगाने के लिए तालिबान के सहयोग की उम्मीद करता है।
3. **आर्थिक और मानवीय हित:**
   - तालिबान के साथ जुड़ाव भारत को विकास परियोजनाएं जारी रखने और मानवीय सहायता प्रदान करने की अनुमति देता है।
   - भारत ने मानवीय सहायता कार्यक्रमों के तहत अफगानिस्तान को कई बार गेहूं और चिकित्सा आपूर्ति भेजी है।
4. **चीन की बढ़ती भूमिका का मुकाबला करना:**
   - चीन ने तालिबान के एक दूत को स्वीकार कर लिया है और अफगानिस्तान को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) में शामिल कर रहा है।
5. **पाकिस्तान के घटते प्रभाव का मुकाबला करना:**
   - तालिबान-पाकिस्तान संबंधों में कड़वाहट के कारण, भारत को काबुल पर इस्लामाबाद के प्रभाव को कम करने का अवसर मिला है।
   - तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के खिलाफ कार्रवाई न करने की तालिबान की अनिच्छा ने पाकिस्तान के साथ संबंधों में तनाव पैदा कर दिया है, जिससे भारत को अवसर मिला है।

चुनौतियाँ और जोखिम:

1. **आतंकवाद और सुरक्षा चिंताएँ:**
   - अफगानिस्तान आतंकवादी संगठनों- इस्लामिक स्टेट के लिए एक प्रजनन स्थल बन चुका है।
   - भारत पहले ही IS से धमकियों का सामना कर चुका है, जिसमें दिसंबर 2024 में अफगानिस्तान के जलालाबाद में उसके वाणिज्य दूतावास पर हमला शामिल है।
   - तालिबान के तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) जैसे समूहों से संबंध भारत की सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।
2. **मानवाधिकार और नैतिक चिंताएँ:**
   - तालिबान ने महिलाओं पर कठोर प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक स्थलों पर जाने पर प्रतिबंध शामिल है।
   - संयुक्त राष्ट्र ने इस स्थिति को "लिंग भेदभाव" के रूप में वर्णित किया है, जिससे तालिबान के साथ कोई भी संपर्क नैतिक और कूटनीतिक दृष्टिकोण से विवादास्पद बन जाता है।
3. **कूटनीतिक जोखिम:**
   - तालिबान के एक दूत को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना इस शासन की मान्यता के रूप में देखा जा सकता है, जो एक लोकतांत्रिक अफगानिस्तान का समर्थन करने के भारत के पिछले रुख के विपरीत होगा।
   - अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित पश्चिमी सहयोगियों ने तालिबान को मान्यता नहीं दी है, और भारत का यह कदम उसकी वैश्विक कूटनीतिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है।

आगे का रास्ता:

भारत को तालिबान के साथ संलग्न रहते हुए अपने रणनीतिक, सुरक्षा और मानवीय हितों की रक्षा करने के लिए संतुलित कूटनीति अपनानी चाहिए, जिसमें आतंकवाद-रोधी सहयोग, मानवीय सहायता और क्षेत्रीय स्थिरता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में निर्माण क्षेत्र / construction sector in india

संदर्भ:

हाल ही में, लार्सन एंड टुब्रो (L&T) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, एन. सुब्रह्मण्यन ने निर्माण क्षेत्र में बढ़ती श्रमिक कमी को लेकर चिंता व्यक्त की।

भारत में निर्माण क्षेत्र:

- **तेजी से बढ़ता उद्योग:** निर्माण क्षेत्र भारत में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है, जो राष्ट्रीय GDP में लगभग 9% का योगदान देता है।
- **विकास की संभावना:** यह क्षेत्र 2025 तक लगभग 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।
- **रोजगार के अवसर:** 2030 तक इस क्षेत्र में लगभग 3 करोड़ श्रमिकों के कार्यरत होने का अनुमान है।
- **मुख्य समस्याएं:** यह क्षेत्र महत्वपूर्ण श्रमिकों की कमी का सामना कर रहा है, जो श्रमिक कल्याण और रोजगार निरंतरता में संरचनात्मक बाधाओं से और भी बढ़ जाती है।

निर्माण श्रमिकों द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियाँ:

1. **मौसमी असुरक्षा:** हीट वेव्स (लू) और प्रदूषण के कारण लगने वाले प्रतिबंध रोजगार पर गंभीर प्रभाव डालते हैं।
2. **अंतर-राज्यीय प्रवासन चुनौतियाँ:**
   - कल्याणकारी लाभ एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित नहीं किए जा सकते।
   - उदाहरण: यदि कोई श्रमिक हरियाणा में पंजीकृत है और दिल्ली में स्थानांतरित होता है, तो उसे लाभ प्राप्त करने में कठिनाई होती है।
3. **वित्तीय लाभ में देरी:** प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) में कानूनी प्रावधानों के बावजूद देरी होती है।
4. **अपर्याप्त डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर:** डिजिटल बुनियादी ढाँचे की कमी के कारण फंड के तेजी से वितरण में समस्याएँ आती हैं।
5. **ब्यूरोक्रेटिक उदासीनता (अधिकारियों की लापरवाही):** राज्य निर्माण बोर्डों द्वारा एकत्र किए गए ₹70,000 करोड़ का उपयुक्त उपयोग नहीं हो पाता।
6. **प्रमाण पत्र की आवश्यकता:**
   - पंजीकरण के लिए 90 दिन का कार्य प्रमाण पत्र आवश्यक होता है, लेकिन नियोक्ता इसे जारी करने में हिचकिचाते हैं।
   - कुछ राज्यों में स्व-प्रमाणन या ट्रेड यूनियन सत्यापन की अनुमति है, परंतु सत्यापन प्रक्रिया असंगत रहती ह
7. **अप्रयुक्त फंड:**
   - BOCW अधिनियम के अंतर्गत राज्यों द्वारा एकत्रित किए गए 1-2% निर्माण सेस का 75% उपयोग नहीं हो पाता।
   - कारण: श्रमिक डेटाबेस का बिखराव, सत्यापन प्रोटोकॉल में असंगति, और जटिल पंजीकरण प्रक्रियाएँ।
8. **प्रलेखन समस्याएँ (Documentation Issues):**
   - कल्याणकारी लाभ प्राप्त करने के लिए पहचान प्रमाण, जन्मतिथि प्रमाण और निवास प्रमाण की आवश्यकता होती है।
   - प्रवासी कार्य का स्वरूप होने के कारण कई श्रमिकों के पास स्थायी पते नहीं होते, जिससे दस्तावेज प्राप्त करना मुश्किल होता है।
9. **मोबिलिटी चुनौतियाँ (Mobility Challenges):**
   - निर्माण क्षेत्र का खंडित रोजगार परिदृश्य प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर करता है।
   - नौकरी की असुरक्षा, लगातार स्थानांतरण और कल्याणकारी लाभों की असंगत पहुँच प्रमुख समस्याएँ हैं।
   - BOCW अधिनियम, 1996 के बावजूद, कई श्रमिकों को लाभ प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

निष्कर्ष:

- भारत का निर्माण क्षेत्र श्रमिकों की कमी को दूर नहीं कर सकता जब तक कि श्रमिकों के सामने आने वाली प्रणालीगत बाधाओं का समाधान नहीं किया जाता।
- विखंडित रोजगार प्रणाली, दस्तावेज़ संबंधी समस्याएँ और अंतर-राज्यीय कल्याण की पोर्टेबिलिटी की कमी, श्रमिकों की स्थिरता में बाधा उत्पन्न करते हैं।
- एकीकृत कल्याण प्रणाली लागू करके, डिजिटल तकनीक का उपयोग करके, दस्तावेज़ीकरण को सरल बनाकर और कौशल विकास में निवेश करके, यह क्षेत्र एक समावेशी और कुशल कार्यबल तैयार कर सकता है।

राष्ट्रीय वन्यजीव स्वास्थ्य नीति / National Wildlife Health Policy

संदर्भ:

यह नीति वन्यजीव रोगों की निगरानी, अनुसंधान को बढ़ावा देने और नए परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित करने का सुझाव देती है। इसका उद्देश्य रोग निगरानी, अनुसंधान और निदान को एकीकृत करना है ताकि महामारी से निपटने की बेहतर तैयारी हो सके।

राष्ट्रीय वन्यजीव स्वास्थ्य नीति (NWHP):

भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव स्वास्थ्य नीति (NWHP) का उद्देश्य वन्यजीवों के स्वास्थ्य को सुधारना और ज़ूनोटिक बीमारियों (जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियाँ) को नियंत्रित करना है। यह पहल केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) द्वारा शुरू की गई है और यह राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2017-31) का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संरचना और कार्यान्वयन:

- **पर्यावरण मंत्रालय का केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA):** NWHP का विकास इसके मार्गदर्शन में किया जा रहा है।
- **मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय:** यह विशेषज्ञ परामर्श में सहायता प्रदान कर रहा है।
- **कोर वर्किंग ग्रुप:** इस नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- **सात विषयगत वर्किंग ग्रुप:** इन्होंने वन्यजीव स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर सिफारिशें की हैं।

मुख्य संस्थान और पहलें (NWHP के अंतर्गत):

1. **राष्ट्रीय रेफरल सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ (NRC-W):**
   - यह जूनागढ़, गुजरात में स्थापित किया गया है।
   - यह भारत का पहला वन्यजीव रोग निदान और अनुसंधान केंद्र है।
   - वन्यजीव मृत्यु, प्रकोप की जांच और बीमारी के उपचार में मदद करना इसका मुख्य कार्य है।
2. **राष्ट्रीय वन्यजीव स्वास्थ्य सूचना प्रणाली:**
   - इसे बीमारियों की रिपोर्टिंग और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
   - यह राष्ट्रीय पशु रोग रेफरल विशेषज्ञ प्रणाली और राष्ट्रीय पशु रोग रिपोर्टिंग प्रणाली के साथ मिलकर प्रकोप की भविष्यवाणी और रोकथाम में मदद करेगा।

नीति की मुख्य सिफारिशें (Key Recommendations of the Policy):

1. **व्यापक रोग निगरानी प्रणाली :**
   - स्थलीय (Terrestrial), समुद्री (Marine) और पक्षी (Avian) पारिस्थितिक तंत्रों पर केंद्रित।
   - विभिन्न क्षेत्रों में डेटा संग्रहण और रिपोर्टिंग को सुधारने का उद्देश्य।
2. **राष्ट्रीय रेफरल सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ (NRC-W):** वन्यजीव मृत्यु और प्रकोप की जांच को केंद्रीकृत करने के लिए स्थापित किया जाएगा।

वन्यजीव स्वास्थ्य चुनौतियाँ:

1. **संक्रामक रोग:** भारतीय वन्यजीव विभिन्न संक्रामक बीमारियों का सामना कर रहे हैं, जैसे कि कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (Canine Distemper Virus)।
2. **आवास की हानि (Habitat Loss):** वनों की कटाई और मानवीय गतिविधियों के कारण वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है।
3. **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव (Climate Change Impacts):** जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक तंत्र में असंतुलन पैदा हो रहा है, जिससे वन्यजीवों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।
4. **अवैध गतिविधियाँ (Illegal Activities):** शिकार और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियाँ वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा हैं।

नीति की आवश्यकता (Need for Policy):

- भारत में 91,000 से अधिक वन्यजीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं, और यहाँ 1,000 से अधिक संरक्षित क्षेत्र (राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और जैवमंडल संरक्षित क्षेत्र) हैं।
- यह नीति वन्यजीवों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

भारत के वन्यजीव संरक्षण ढांचे के साथ तालमेल

राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2017-31):

- इसमें 103 संरक्षण क्रियाएं और 250 परियोजनाएं शामिल हैं।
- बाघ अभ्यारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों में रोग निगरानी के लिए मानक प्रोटोकॉल शामिल हैं।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: यह वन्यजीव रोग निगरानी और नियंत्रण के लिए कानूनी समर्थन प्रदान करता है

ट्रेन डी अरागुआ / Tren de Aragua

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति ने **एलियन एनमीज एक्ट (1798)** को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार लागू किया है, जिसके तहत **वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह 'ट्रेन डी अरागुआ' (TdA)** के संदिग्ध सदस्यों को देश से निष्कासित किया जाएगा। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अपराध पर बढ़ती चिंताओं को दर्शाता है।

Tren de Aragua:

परिचय: Tren de Aragua एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन और अमेरिका द्वारा नामित विदेशी आतंकवादी संगठन है, जो वेनेज़ुएला से संबंधित है। माना जाता है कि इस संगठन के 5,000 से अधिक सदस्य हैं।

उत्पत्ति: यह संगठन 2014 में वेनेज़ुएला के अरागुआ राज्य की टोकोरोन जेल के अंदर स्थापित हुआ।

विस्तार: यह गिरोह कोलंबिया, पेरू, चिली और अमेरिका तक फैल गया है, विशेष रूप से वेनेज़ुएला के प्रवासियों का शोषण कर रहा है।

अपराधिक गतिविधियाँ:

- नशीले पदार्थों की तस्करी
- मानव तस्करी, उगाही
- हत्या
- अपहरण

राजनीतिक संबंध: 2023 में चिली ने वेनेज़ुएला के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक पूर्व वेनेज़ुएलाई विपक्षी अधिकारी की हत्या में इस गिरोह के साथ मिलीभगत की थी।

आतंकवादी संगठन के रूप में नामांकन:

- 20 जनवरी 2025 को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कई ड्रग कार्टेल और अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करने की प्रक्रिया शुरू की गई।
- यह निर्णय 20 फरवरी 2025 को आधिकारिक रूप से लागू कर दिया गया, जिससे ऐसे समूह आधिकारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित हो गए।

Alien Enemies Act:

उद्भव और उद्देश्य:

- 1798 में इसे फ्रांस के साथ तनाव के दौरान जासूसी और तोड़फोड़ को रोकने के लिए लागू किया गया।
- यह अमेरिकी राष्ट्रपति को उन व्यक्तियों को निर्वासित (Deport), हिरासत में लेने (Detain), या उन पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जिनकी प्राथमिक निष्ठा (Primary Allegiance) किसी विदेशी शक्ति के प्रति होती है और जो युद्ध के समय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

लागू होने की स्थितियाँ:

1. घोषित युद्ध के दौरान (During a Declared War)।
2. किसी विदेशी शक्ति द्वारा आक्रमण (Invasion) या शोषणात्मक हमले की स्थिति में।
   - यह अधिनियम तब तक प्रभावी रहता है जब तक राष्ट्रपति द्वारा इसे विशेष रूप से समाप्त नहीं किया जाता।

ऐतिहासिक उपयोग:

- **1812 का युद्ध:** यूनाइटेड किंगडम के साथ संघर्ष के दौरान ब्रिटिश नागरिकों के खिलाफ उपयोग किया गया।
- **प्रथम विश्व युद्ध:** राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने दुश्मन नागरिकों को हथियार, विस्फोटक रखने और कुछ सामग्रियों के प्रकाशन से रोका।
- **द्वितीय विश्व युद्ध:** राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी. रूज़वेल्ट ने इसे जापानी, जर्मन और इटालियन वंश के लोगों के लिए इंटरनमेंट कैंप (Internment Camps) बनाने के लिए उपयोग किया। राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने इसे 1951 तक जारी रखा।
- **द्वितीय विश्व युद्ध के बाद:** 1948 में सुप्रीम कोर्ट ने नाजी सदस्य कर्ट लुडेके (Kurt Ludecke) को निर्वासित करने का निर्णय सही ठहराया और बताया कि यह अधिनियम युद्ध समाप्त होने के बाद भी लागू हो सकता है।

ट्रेन डे अरागुआ (TdA) के सदस्यों का निर्वासन क्यों?

- व्हाइट हाउस ने TdA को "सबसे हिंसक आतंकवादी गिरोहों में से एक" बताया है, जो बलात्कार, हत्या और उगाही में शामिल है।
- **"आक्रमण" की आधुनिक व्याख्या:** परंपरागत रूप से इसका मतलब सैन्य हमले होता था, लेकिन कुछ राजनेता अवैध आप्रवासन (Illegal Immigration) और नशीले पदार्थों की तस्करी (Drug Trafficking) को भी "आक्रमण" मानते हैं।
- व्हाइट हाउस ने इस तर्क का उपयोग करते हुए इस अधिनियम के तहत बड़े पैमाने पर निर्वासन (Mass Deportations) को सही ठहराया है।

गुलाबी बोलवर्म -प्रतिरोधी जीएम कपास / Pink Bollworm-Resistant GM Cotton

संदर्भ:

लखनऊ स्थित CSIR-NBRI के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने दुनिया का पहला आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) कपास विकसित किया है, जो गुलाबी सुंडी (Pink Bollworm - PBW) के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिरोधी है।

Bt. Cotton और इससे जुड़ी समस्याएं:

परिचय:

- **Bt. Cotton** भारत में **केवल वही जीएम (GM) फसल है जिसे 2002 में GEAC (Genetic Engineering Appraisal Committee)** द्वारा वाणिज्यिक खेती के लिए मंजूरी दी गई थी।
- यह **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (Ministry of Environment, Forest and Climate Change)** के तहत आता है।

Bt. Cotton के प्रकार और उनकी प्रभावशीलता:

- **Bollgard 1 और Bollgard 2** जैसी किस्में विशेष रूप से कुछ कीटों को नियंत्रित करने के लिए विकसित की गई हैं, जैसे:
  - **अमेरिकन बोलवर्म (American Bollworm)**
  - **स्पॉटेड बोलवर्म (Spotted Bollworm)**

समस्या (Issue):

- **Bt. Cotton के Bollgard 1 और Bollgard 2** किस्में **गुलाबी बोलवर्म (Pink Bollworm - PBW)** के खिलाफ प्रभावी नहीं रही हैं।
- **कारण:** PBW ने **Cry 1Ac प्रोटीन** के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता (Resistance) विकसित कर ली है।

समाधान (Solution):

- **CSIR-NBRI (Council of Scientific & Industrial Research - National Botanical Research Institute)** ने एक नया **कीटनाशक जीन (Insecticidal Gene)** विकसित किया है।
- यह जीन **Bollgard 2 Cotton की तुलना में गुलाबी बोलवर्म (PBW) के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है।**
- इसके अलावा, यह अन्य कीटों के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान करता है, जैसे:
  - **कॉटन लीफवर्म (Cotton Leafworm)**
  - **फॉल आर्मीवर्म (Fall Armyworm)**

गुलाबी बोलवर्म (Pink Bollworm - PBW):

परिचय:

- **गुलाबी बोलवर्म (PBW)** को किसान **गुलाबी सुंडी** के नाम से भी जानते हैं।
- यह कीट कपास की फसल को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाता है।

क्षति का तरीका (Damage Mechanism):

- इसकी **लार्वा (Larvae)** कपास के बॉल्स (Bolls) में छेद कर देती है।
- इसके परिणामस्वरूप **कपास का रेशा कट जाता है और दागदार हो जाता है**, जिससे उसका उपयोग अनुपयुक्त हो जाता है।

प्रसार (Spread):

- **मुख्य रूप से वायु के माध्यम से फैलता है।**
- संक्रमित फसलों के अवशेष, जिन्हें किसान ईंधन के रूप में उपयोग के लिए खेत में छोड़ देते हैं, उनमें भी PBW की लार्वा छिपी रह सकती हैं।
- ये लार्वा भविष्य की फसलों को संक्रमित कर सकते हैं।

रोकथाम (Prevention):

1. **फसल चक्र परिवर्तन (Crop Rotation):** जिन खेतों में PBW का संक्रमण हुआ हो, उनमें **कम से कम एक मौसम के लिए कपास की फसल नहीं लगानी चाहिए।**
2. **अवशेषों को जलाना (Burning of Residues):** खेत में बचे हुए अवशेषों को जल्द से जल्द जला देना चाहिए।
3. **बीजों की सावधानी (Seed Care):** स्वस्थ और संक्रमित बीजों या कपास के बीच कोई मिलावट नहीं होनी चाहिए

सुनीता विलियम्स / Sunita Williams

संदर्भ:

नासा के अंतरिक्ष यात्री **सुनीता विलियम्स और बैरी "बुच" विलमोर** नौ महीने के विस्तारित अंतरिक्ष मिशन के बाद सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं।

NASA's Boeing CST-100 Starliner Mission (2024-2025)

- **मिशन की शुरुआत:**
    - 5 जून, 2024 को **Boeing के CST-100 Starliner** पर इसका प्रक्षेपण किया गया।
    - यह इसका **पहला मानवयुक्त परीक्षण उड़ान (First Crewed Test Flight)** था।
- **मूल योजना:** यह मिशन मूल रूप से **अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** के लिए **8 दिनों का मिशन** था।
- **तकनीकी समस्याएँ और मिशन का विस्तार:** तकनीकी समस्याओं के कारण अंतरिक्ष यात्रियों का **अंतरिक्ष में रहना 9 महीनों से अधिक** समय तक बढ़ गया।
- **वापसी:** 18 मार्च, 2025 को यह मिशन **SpaceX के Crew Dragon कैप्सूल** के माध्यम से धरती पर वापस लौटा।

मिशन के विस्तार का कारण:

1. Boeing Starliner की तकनीकी समस्याएँ:

- **हेलियम लीक (Helium Leaks)** और **थ्रस्टर की खराबी (Thruster Malfunctions)** के कारण Boeing Starliner को वापस लाना असुरक्षित हो गया।
- 28 में से **5 थ्रस्टर फेल हो गए**, जो दिशा-निर्देशन और पुन: प्रवेश (Steering and Reentry) के लिए महत्वपूर्ण थे।

2. अनियोजित विस्तार (Unplanned Extended Stay):

- यह मिशन मूल रूप से **8 दिनों का था**, लेकिन **Starliner की समस्याओं के कारण यह 286 दिनों (9 महीने से अधिक)** के लिए बढ़ गया।
- NASA ने Starliner को बिना इंसानों के वापस भेजने का निर्णय लिया और उनके लौटने की व्यवस्था **SpaceX के Crew Dragon कैप्सूल** के माध्यम से की।

3. प्रतिस्थापन मिशन में देरी (Delay in Replacement Mission): उनका प्रतिस्थापन मिशन, **SpaceX Crew-10**, मार्च 2025 तक स्थगित हो गया, जिससे उनकी वापसी और भी लंबी हो गई।

4. सुरक्षा चिंताएँ (Safety Concerns): NASA ने अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी और सुनिश्चित किया कि वापसी के लिए प्रयोग किया जाने वाला अंतरिक्षयान पूरी तरह से **कार्यात्मक और भरोसेमंद (Fully Functional and Reliable)** हो।

Boeing's Starliner (CST-100)

परिचय (Introduction):

- **Boeing's Starliner**, जिसे **CST-100 (Crew Space Transportation)** के नाम से भी जाना जाता है, एक **क्रू कैप्सूल (Crew Capsule)** है जो अंतरिक्ष यात्रा के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह **आंशिक रूप से पुन: प्रयोज्य (Partially Reusable)** है, जिसका अर्थ है कि इसे कई मिशनों के लिए पुन: उपयोग किया जा सकता है।

संरचना (Structure):

यह दो मॉड्यूल्स में बँटा हुआ है:

1. **क्रू मॉड्यूल (Crew Module):** इसमें अंतरिक्ष यात्री यात्रा के दौरान रहते हैं।
2. **सर्विस मॉड्यूल (Service Module):**

- यह अंतरिक्ष यान का **पावरहाउस (Powerhouse)** है।
- कार्य: बिजली प्रदान करना, गति नियंत्रण, तापमान नियंत्रण (Temperature Control), वायु और जल की आपूर्ति करना।

Boeing's Starliner मिशन (Mission):

उद्देश्य (Objective):

- यह परीक्षण करना कि Starliner अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में कितना प्रभावी ढंग से कार्य करता है।
- यह लॉन्च के एक दिन बाद **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** के साथ डॉक (Dock) करने और लगभग **10 दिनों तक वहाँ रहने** के बाद पृथ्वी पर लौटने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सुनिता विलियम्स की प्रमुख उपलब्धियां और रिकॉर्ड:

1. **अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा स्पेसवॉक करने वाली महिला:** कुल **9 स्पेसवॉक** पूरे किए, जो **62 घंटे** के थे, और इससे पहले के रिकॉर्ड को तोड़ा।
2. **अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय बिताने वाली तीसरी महिला: तीन मिशनों** में कुल मिलाकर **500 दिनों से अधिक** का समय अंतरिक्ष में बिताया।
3. **अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की पहली महिला कमांडर:** अपने **2024-2025 के विस्तारित प्रवास** के दौरान **कमांडर** के रूप में सेवा दी।

हिंद-प्रशांत महासागर पहल / indo-Pacific Oceans Initiative

संदर्भ:

प्रधानमंत्री ने हाल ही में **इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI)** में **न्यूज़ीलैंड की भागीदारी** का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्र में **शांति और स्थिरता बनाए रखने** के लिए दोनों देशों के साझा हितों को रेखांकित किया।

हिंद-प्रशांत महासागर पहल / indo-Pacific Oceans Initiative:

परिचय:

- IPOI की शुरुआत भारत ने नवंबर 2019 में थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित ASEAN-नेतृत्व वाले पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (East Asia Summit - EAS) में की थी।
- यह पहल प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में घोषित "SAGAR" (Security and Growth for All in the Region) पहल पर आधारित है।

उद्देश्य:

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना ताकि यह क्षेत्र मुक्त (Free) और खुले (Open) रूप में बना रहे।
- नियम-आधारित क्षेत्रीय व्यवस्था (Rules-Based Regional Order) को प्रोत्साहित करना, जिससे समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा (Safety), स्थिरता और विकास को मजबूत किया जा सके।

मुख्य विशेषताएँ:

1. यह एक गैर-संधि-आधारितस्वैच्छिक व्यवस्था है।
2. इसका उद्देश्य साझा हितों से जुड़े विषयों पर सामान्य समझ और कार्यों के माध्यम से समन्वय और एकीकरण प्राप्त करना है।
3. यह किसी नए संस्थागत ढांचे की परिकल्पना नहीं करता है, बल्कि ASEAN सदस्य देशों और उनके आठ संवाद साझेदारों (Dialogue Partners) वाले EAS तंत्र पर आधारित है।
4. IPOI में शामिल सात स्तंभों में एक या दो देश नेतृत्व कर सकते हैं और अन्य देश स्वेच्छा से शामिल हो सकते हैं।

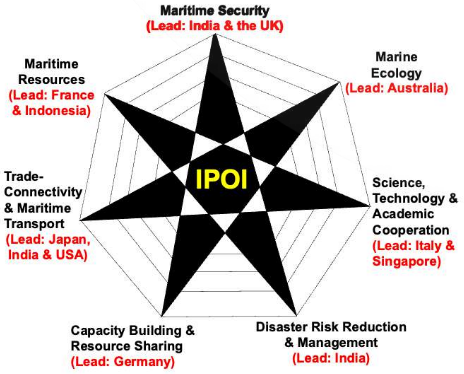

आनासागर झील / Ana Sagar Lake

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्य सरकार को **आनासागर झील** के वेटलैंड क्षेत्र में स्थित **'सात अजूबों' पार्क** से **प्रतिकृति संरचनाओं (Replica Structures)** को **छह महीनों के भीतर हटाने** का निर्देश दिया।

Ana Sagar Lake - अजमेर, राजस्थान:

- **स्थान:** यह कृत्रिम झील (Artificial Lake) राजस्थान राज्य के अजमेर शहर में स्थित है।
- **निर्माणकर्ता:** इसका निर्माण अर्णोराजा (उपनाम - अणा) ने 1135 - 1150 ईस्वी के बीच करवाया था, जो पृथ्वीराज चौहान के दादा थे।
- **नामकरण:** इसका नाम अर्णोराजा (अणा) के नाम पर रखा गया है।
- **निर्माण में योगदान:** झील के जलग्रहण क्षेत्र (Catchments) का निर्माण स्थानीय लोगों की सहायता से किया गया था।
- **क्षेत्रफल:** यह झील लगभग 13 किलोमीटर (8.1 मील) के क्षेत्र में फैली हुई है।
- **आकार और गहराई:**
  - यह अजमेर की सबसे बड़ी झील है, जिसका जलग्रहण क्षेत्र (Catchment Area) 5 वर्ग किलोमीटर (1.9 वर्ग मील) है।
  - झील की अधिकतम गहराई 4.4 मीटर (14 फीट) है।
  - इसकी जल संग्रहण क्षमता 4,750,000 घन मीटर (6,210,000 घन गज) है।
- **निर्माण पर प्रतिबंध:** राजस्थान उच्च न्यायालय (Rajasthan High Court) ने झील बेसिन के जलग्रहण क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इतिहास:

- **दौलत बाग (Daulat Bagh):** मुगल सम्राट जहाँगीर ने इस झील के किनारे दौलत बाग नामक बगीचा बनवाया था।
- **बरादरी (Baradari):** शाहजहाँ ने बगीचे और झील के बीच पाँच मंडप (पवेलियन) बनवाए, जिन्हें बरादरी कहा जाता है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग / Competition Commission of India

संदर्भ:

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के अधिकारियों ने मूल्य निर्धारण में हेरफेर के आरोपों को लेकर प्रमुख मीडिया एजेंसियों, जिसमें GroupM और Dentsu शामिल हैं, पर छापेमारी की।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI):

परिचय:

- **भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI)** भारत सरकार की एक सांविधिक संस्था (Statutory Body) है, जो **प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 (Competition Act, 2002)** को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसका गठन **मार्च 2009** में किया गया था।
- **मोनोपोलीज और प्रतिबंधात्मक व्यापार पद्धतियाँ अधिनियम, 1969 (MRTP Act)** को समाप्त कर **प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002** के तहत प्रतिस्थापित किया गया, जिसे **राघवन समिति** की सिफारिशों पर लागू किया गया।

संरचना (Composition):

- आयोग में **एक अध्यक्ष (Chairperson)** और **छह सदस्य (Members)** होते हैं, जिन्हें **केंद्र सरकार (Central Government)** द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- यह एक **अर्ध-न्यायिक निकाय (Quasi-Judicial Body)** है, जो विधिक प्राधिकरणों (Statutory Authorities) को राय देने के साथ-साथ अन्य मामलों का निपटारा भी करता है।
- अध्यक्ष और अन्य सदस्य **पूर्णकालिक सदस्य** होते हैं।

सदस्यों की पात्रता (Eligibility Criteria of Members):

- अध्यक्ष और प्रत्येक सदस्य को **योग्यता, ईमानदारी और प्रतिष्ठा** वाला व्यक्ति होना चाहिए।
- **योग्यता:**
  - उच्च न्यायालय का न्यायाधीश रह चुका हो या न्यायाधीश बनने के योग्य हो।
  - या, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade), अर्थशास्त्र (Economics), व्यापार (Business), वाणिज्य (Commerce), कानून (Law), वित्त (Finance), लेखांकन (Accountancy), प्रबंधन (Management), उद्योग (Industry), सार्वजनिक मामलों (Public Affairs), प्रशासन (Administration) या अन्य किसी ऐसे क्षेत्र में कम से कम **पंद्रह वर्षों का विशेष ज्ञान और व्यावसायिक अनुभव** हो, जो केंद्र सरकार के मतानुसार आयोग के लिए उपयोगी हो सकता है।

हमार और ज़ोमी जनजाति / Hmar and Zomi Tribe

संदर्भ:

मणिपुर में हाल ही में हुई झड़पों के बाद चुराचांदपुर में शांति बहाल करने के लिए हमार और जोमी जनजातीय नेताओं ने सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है।

Zomi Tribe:

- **जोमी (Zomi)** एक जातीय समूह है जिसे **चिन, मिजो, कुकी** या भौगोलिक क्षेत्रों के आधार पर अन्य नामों से भी जाना जाता है।
- ये **मंगोलॉयड नस्ल (Mongoloid Race)** के **तिब्बती-बर्मन समूह (Tibeto-Burman Group)** से संबंधित हैं।

वितरण:

- ये जनजाति **भारत के पूर्वोत्तर राज्यों, उत्तर-पश्चिमी बर्मा और बांग्लादेश के चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स (Chittagong Hill Tracts)** में फैली हुई है।
- **भारत में:** नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर और असम।

भाषा: ये लोग **कुकी भाषा समूह (Kukish Language Group)** की लगभग पचास भाषाओं में से एक भाषा बोलते हैं, जिसे **कुकी-चिन (Kuki-Chin)**, **मिजो/कुकी/चिन या कुकी नागा (Kuki Naga)** भी कहा जाता है।

धर्म और विश्वास (Religion and Beliefs):

- पारंपरिक रूप से ये लोग आनिमिज्म (Animism) को मानते थे और प्रकृति की आत्माओं की पूजा करते थे।
- आजकल, अधिकांश लोग ईसाई धर्म (मुख्यत: बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन - Baptist and Presbyterian) का पालन करते हैं।

शारीरिक विशेषताएँ: तिब्बती-बर्मन विशेषताएँ**:** छोटे कद, सीधे काले बाल और गहरी भूरी आँखें।

Hmar Tribe:

- **हमार जनजाति (Hmar Tribe)** को **महर (Mhar) या मार (Mar)** भी कहा जाता है।
- ये जनजाति **भारत के पूर्वोत्तर भागों में रहने वाले लोग** हैं।
- **"हमार" का अर्थ है "उत्तर" (North)।**
- ये लोग **चिन-कुकी-मिजो समूह** से संबंधित हैं और **मंगोलॉयड नस्ल** के हैं।

वितरण: ये मुख्यत: **मणिपुर, असम, मिजोरम, मेघालय और त्रिपुरा** में बसे हुए हैं।

भाषा: इनकी **हमार भाषा (Hmar Language)**, **तिब्बती-बर्मन परिवार** के **कुकी-चिन समूह (Kuki-Chin Group)** से संबंधित है।

उत्पत्ति (Origin): हमार लोक गीतों से पता चलता है कि ये लोग **सिनलुंग (Sinlung)** नामक स्थान से आए हैं, जो संभवत: चीन में स्थित था।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

Apni Pathshala

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

299/- YEAR

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO

(TEST SERIES)

ONLY 299/- YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC

(TEST SERIES)

ONLY 299 YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882

Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

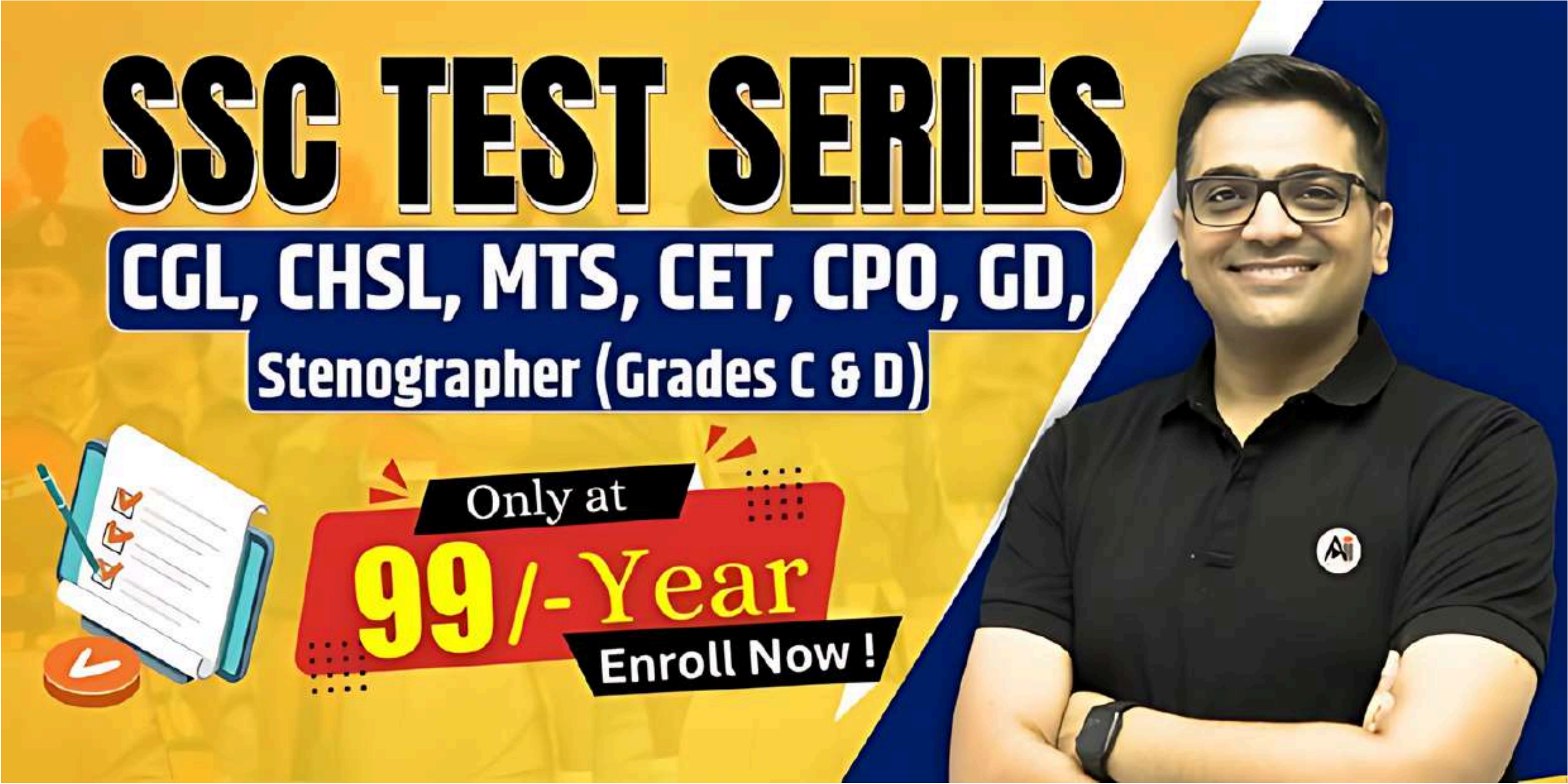

SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !